[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

चाहता हूं । पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक जज हैं श्री अजीत सिंह बैन्स । उनको टाडा में गिरफ्तार किया गया है । जो खबरें आई हैं उनके अनुसार हरियाणा की पुलिस ने उनको हथकड़ी लगाई । उनके साथ दुर्व्यवहार किया । इसके बारे में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट और चंडीगढ के वकील और वहां की निचली अदालतों के लोग हड़ताल पर हैं । 6 अप्रैल से उनकी बराबर हड़ताल चल रही है । इसलिए मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी ने से निवेदन करना चाहता हूं कि टाडा का जो दुरुपयोग हो रहा है पजाब सरकार की ओर से उस तरफ यह ध्यान दें । कम से कम हाई कोर्ट के जज जो 20 साल रह चुके हैं उनको तो टाडा के फ़ंतर्गत हथकड़ी नहीं लगाई जानी चाहिए. . . .

उपसभापति : मिनिस्टर आफ स्टेट यहां पर बैठे हैं । यकीनन वह इस ओर ध्यान देंगे कि टाडा का दुरुपयोग न हो । . . . **(व्यवधान)**

Just a minute. I have allowed someone else.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: Mr. Ajit Singh Bains, the Punjab and Haryana High Court Judge, was detained under the TADA, was handcuffed and was paraded in the streets. Therefore, I would like you to react because this is misuse of the TADA which is a Central Act. The entire bar is on strike there. Even the lower courts' advocates are on strike there. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: One second. This is a serious matter, please.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Malaviyaji knows that. (*Interruptions*) But we will get informatios, Madam.

श्री मंवरलाल पंवार (राजस्थान) : महोदया, राजस्थान सरकार भी टाडा का दुरुपयोग कर रही है । उसने माइनॉरिटी के 5 से 7 साल के बच्चों को पिछले 6 महीने से जेल में डाल रखा है । जयपुर में 10 हजार माइनॉरिटी क्लास के लोगों ने हड़ताल की इसके विरोध में । राजस्थान सरकार की भारतीय जनता पार्टी की सरकार टाडा का इस प्रकार से दुरुपयोग कर रही है । उसने वहां अत्याचार फैला रखा है । इसलिए टाडा एक्ट का सही उपयोग हो, इसकी तरफ केन्द्र सरकार ध्यान दे । पूरे देश में इसके खिलाफ लोग होते जा रहे हैं । आप इस ओर ध्यान दीजिए । राजस्थान में यह स्थिति बहुत गंभीर हो गई है ।

उपसभापति : मिनिस्टर साहब ने कहा है कि रहे इस ओर ध्यान देंगे । **(व्यवधान)**

RE. URDU NEWS BULLETIN

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं यहां जीरो अवर में:

†[شری محمد افضل عرف م- افضل
(اتر پردیش) : میڈم میں یہاں
زیرو اور پر میں . . . .]

उपसभापति : आप जीरो अवर न कहिए यहां कोई जीरो अवर नहीं है । There is no zero hour, I tell you. Please never ever mention that before me at least because to me everything starts with one. (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : आइ ऐम सौरी, मैंने जीरो अवर कह दिया । इसमें लोग खड़े हो कर जो बातें उठाते हैं उसमें अममन सरकार की बहुत सी पालिसीज की आलोचना भी की जाती है । बहुत बार ऐसा भी होता है कि हम लोग कुछ डिमांड करते हैं । लेकिन आज मैं आपके माध्यम से विजारत का शुक्रिया अदा करने के लिए खड़ा हुआ हू क्योंकि मैं समझता हूं कि आजाद हिन्दुस्तान में वजीरे इत्तलात और नश्रियात यानि आई. एंड बी. मिनिस्ट्री ने कोई बहुत पोजिटिव काम किया है ।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :
آئی ایم سوری- میں نے زیرو اور
کہہ دیا - اس میں لوگ کھڑے ہوکر
جو باتیں اٹھاتے ہیں - اسمیں
عموماً سرکار کی بہت سی پالیسیز
کی آلوچنا بھی کی جاتی ہے -
بہت بار ایسا بھی ہوتا ہے کہ ہم

†[] Transliteration in Arabic Script.

لوگ کچھ قسانق کرتے ہیں - لیکن آج میں پکے سادھوم سے وزارت کا شکریہ ادا کرنے کیلئے کھڑا ہوا ہوں - کیونکہ میں سمجھتا ہوں کہ آزاد ہندوستان میں وزیر اطلاعات و نشریات یعنی آئی - ایلاند بی - ملسٹر نے کوئی پازیٹیو کام کیا ہے-]

उपसभापति : आपकी तारीफ हो रही है मंत्री जी खुश हो जाइए। आप की तारीफ हो रही है . . .

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ़ मीम अफ़ज़ल : मैडम पिछले साल आई. एण्ड बी. मिनिस्ट्री की वर्किंग पर यहां पर बहस हो रही थी तो मैंने उर्दू के हवाले से बतौरे खास पांजा जी और गिरिजा व्यास जी के गोशे नजर कुछ मसायल पेश किए थे और उसमें बताया था कि मुख्तलिफ डिपार्टमेंट्स चाहे वह टेलिविजन हो, चाहे रेडियो हो, चाहे अखबारात हों, चाहे डी.ए. वी.पी. हो और चाहे आर० एण्ड आई. हो, मुख्तलिफ डिपार्टमेंट्स उर्दू और खास तौर पर लैंग्वेज डिपार्टमेंट्स के साथ जो नाइंसाफी करते हैं या उर्दू जबान के साथ जो नाइंसाफी करते हैं, उस ओर तवज्जह दिलाई थी। मुझे खुशी है कि दोनों मिनिस्टरों ने, मैंने जो कुछ यहां रखा था और दूसरे लोगों ने, मुख्तलिफ तनजीनों, उर्दू तनजीनों और दूसरी तनजीनों ने इस ओर तवज्जह दिलाई थी, उस पर इन्होंने तवज्जह दी और कुछ काम किया। मैडम बहुत अफसोस के साथ मैं एक बात कहता हू कि मैंने यह मसला मसला उठाया था कि लेंग्वेज पेपर्स के इस्तहारात को बढाया जाए।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل :

میڈم - پچھلے سال آئی ایلاند بی - ملسٹری کی ورکنگ پر یہاں بحث ہو رہی تھی تو میں نے اردو کے حوالے سے بطور خاص پانچھا صاحب اور گرجا ویاس صاحبہ کے کوچھ نظر کچھ مسائل پیش کئے تھے - اور اسمیں بتایا تھا کہ مختلف ڈیپارٹمنٹس چاہے وہ ٹیلیویژن ہو - چاہے ریڈیو ہو - چاہے اخبارات ہوں - چاہے ڈی - اے - وی - پی - ہو اور چاہے آر ایلاند آئی ہو - مختلف ڈیپارٹمنٹس اردو اور خاص طور پر لینگویج ڈیپارٹمنٹس کے ساتھ جو انصافی کرتے ہیں یا اردو زبان کے ساتھ جو نا انصافی کرتے ہیں - اس طرف توجہ دلائی تھی- مجھے خوشی ہے کہ دونوں ملسٹروں نے - میں نے جو کچھ یہاں رکھا تھا اور دوسرے لوگوں نے - مختلف تنظیموں - اردو تنظیموں اور دوسری تنظیموں نے اس طرف توجہ دلائی تھی - اس پر انہوں نے توجہ دی اور کچھ کام کیا - میڈم - بہت افسوس کے ساتھ میں ایک بات کہتا ہوں کہ میں نے یہ مسئلہ اٹھایا تھا کہ لینگویج پیپرس نے اشتہارات کو بڑھایا جائے -]

मंत्री जी ने गालिबन उसके आदेश कर दिये और उसके बाद जो उर्दू न्यूज बुलेटिन की डिमांड बरसों से चल रही थी, मेरे इल्म में यह आया कि मंत्री महोदय ने उस पर आदेश जारी कर दिये लेकिन बड़े अफसोस का मुकाम यह कि मंत्री जी के आदेश जारी होने के बावजूद भी फाइलों को नीचे घुमाया जा रहा है।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل:

ملنتری جی نے فائنلی اسکے آدیش کر دیئے اور اسکے بعد جو اردو نیوز بلیٹن کی ڈمانڈ برسوں سے چل رہی تھی - میرے علم میں یہ آیا کہ ملنتری مہودے نے اس پر آدیش جاری کر دیئے لیکن بڑے افسوس کا مقام یہ ہے کہ ملنتری جی کے آدیش جاری کرنے باوجود بھی فائلوں کو نیچے گھمایا جا رہا ہے -]

†[] Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : आप तारीफ कर रहे हैं . .

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल: मैं शुक्रिया अदा करने से पहले जरा पसमंदे . . . (**व्यवधान**) . . बड़ा अहम मसला है . .

†[شری محمد افضل عرف م- افضل : میں شکریہ ادا کرنے سے پہلے ذرا پس منظر . . . . (مداخلت) . . . بڑا اہم مسئلہ ہے - . . .]

उपसभापति : तारीफ खाली तारीफ होती है । . . . .

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैंने 21 तारीख को खत लिखा था (**व्यवधान**) मैंने यह कहा था . . . .

†[شری محمد افضل عرف م- افضل: میں نے ۲۱ تاریخ کو خط لکھا تھا- (مداخلت) میں نے یہ کہا تھا . . .

उपसभापति : 32 स्पेशल मेंशन हैं ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : उस खत के अंदर यह कहा था उर्दू बुलेटिन शुरू किया जाए । मेरे इल्म में यह आया है . . . (**व्यवधान**)

†[شری محمد افضل عرف م- افضل : اس خط کے اندر یہ کہا تھا - اردو اردو بلیٹن شروع کیا جائے - میرے علم میں یہ آیا ہے - . . . . (مداخلت) . . . .]

उपसभापति : आप बैठ जाइये ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : कल से हिन्दुस्तान के पांच शहरों से उर्दू बुलेटिन शरू किया जा रहा है मैं इसके लिए विजारते इत्तलाती नशरियात को मुबारकवाद देना पेश करता हूं और यह तवज्जो दिलाना चाहता हूं मंत्री जी को कि एक उर्दू एडवाइजरी बोर्ड बनाया जाए । जो य. एन. आई. की उर्दू सर्विस है . . . (**व्यवधान**)

†[صری محمد افضل عرف م- افضل : کل سے ہندوستان کے پانچ شہروں سے اردو نے بلیٹن شروع کیا جا رہا ہے - میں اسکے لئے وزارت اطلاعات و نشریات کو مبارکباد پیش کرتا ہوں- اور یہ توجہ دلانا چاہتا ہوں ملتری جی کی کہ ایک اردو ایڈوائزری بورڈ بنایا جائے - جو یو - این - آئی - کی اردو سروس ہے - . . . (مداخلت) . . . .]

उपसभापति : यह बाद में कहियेगा स्पेशल मेंशन में । एक दिन में ही सब बातें क्यों कहते हैं ? आपका राइट चला जायेगा हमेशा के लिए ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मैं शुक्रिया अदा करता हूं और यह अर्ज करना चाहता हूं कि ऐसा न हो कि कल को पता लगे कि कोई नया शोशा छूट गया कि इसको रोक दिया है । (**व्यवधान**)

†[شری محمد افضل عرف م- افضل : میں شکریہ ادا کرتا ہوں اور یہ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ ایسا نہ ہو کہ دل کو پتہ لگے کہ کوئی نیا شوشہ چھوڑ گیا کہ اسکو روک دیا ہے - (مداخلت)]

उपसभापति : आपका हो गया बैठ जाइये (**व्यवधान**)

Please don't interrupt. I have got 32 Special Mentions.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI AJIT KUMAR PANJA): Madam, it is not correct. As the hon. Members of both the Houses in the last session asked for Urdu news to be given on television, we have conceded that. I am happy to announce that from tomorrow at 7.45 five minutes Urdu news on four channels at present from Delhi, Lucknow, Hyderabad and Patna, will start. Secondly, for the Urdu language news to be given on television, we cannot have it translated from English to Urdu. That won't give real regard to the Urdu language. Therefore, we gave Rs. 25 lakhs to UNI six months ago so that the Urdu news originates agencywise. They are ready and they are going to start it very soon. (*Interruptions*)

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री रा. नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : (व्यवधान) : डाक्टरों की हड़ताल चल रही है। मरीज परेशान हो रहे हैं... (व्यवधान)

उपसभापति : आप बैठ जाइये। गौतम जी आप बोलिये।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं कभी इन्टरफीयर नहीं करता।

उपसभापति : आप बहुत ज्यादा करते हैं।

श्री संघ प्रिय गौतम : कभी नहीं। मैं उनका समर्थन कर रहा था और अपनी पार्टी के मैम्बर को चुप करा रहा था।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैडम... (व्यवधान)।

THE DEPUTY CHAIRMAN: No.

श्रीमती सत्या बहिन : एक महिला के साथ अत्याचार हो रहा है..... (व्यवधान)

उपसभापति : आप बैठ जाइये। गौतम जी बोलिये।

We can't take up the entire country's issues in one day. Yadav Ji, we have got 32 Special Mensions. Please, I am not permitting you. Mr. Gautam, kindly speak or I am gong to pass over to Shri Ram Awadesh Singh. He is not here.

SPECIAL MENTIONS

Search at the residence of General Manager of D.M.S.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, यों तो भ्रष्टाचार हमारे राष्ट्रीय जीवन में बुरी तरह से घर कर गया है, लेकिन जब शिखर स्तर के अधिकारी गम्भीर स्थान तथा मुख्य स्थान पर बैठे हुए अधिकारी भ्रष्टाचार और घोटाले में लिप्त हो जाते हैं तो देश का मस्तक शर्म के मारे नीचे झुक जाता है। पिछले सालों में हमारे विभिन्न विभागों के गुख्य, प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारियों के यहां यह शिकायत मिलन पर कि इन्होंने बड़े-बड़े भ्रष्टाचार, और काले कारनामे किये है, सी०बी०आई० द्वारा छापे मारे गये और अधिकतर अधिकारियों के यहां से छापे के दौरान नाजायज एवं संदेहात्मक कागजात बरामद हुए हैं। और उनकी जो वास्तविक आमदनी थी उससे ज्यादा कीमत की चल और अचल सम्पत्ति बरामद हुई। सरकार के इन छापों से बेईमान अफसरों में एक दहशत का वातावरण पैदा हुआ और इस वातावरण से डरकर वे भ्रष्टाचार से दूर रहने की कोशिशें भी करते रहे। लेकिन कुछ अधिकारी जिनके यहां छापे पड़े हैं, ऐसे भी पकड़े गये हैं, जिनके यहां न तो कोई संदेहास्पद कागजात बरामद हुए और न ही उनकी वास्तविक आय से ज्यादा कीमत की चल और अचल सम्पत्ति बरामद हुई। वे अधिकारी सी०बी०आई० की निगाह में ईमानदार तो साबित हुए, लेकिन जन साधारण की निगाह में उनकी मानहानि हुई और उनकी चरित्र पंजिका में विशेष उल्लेख हुए और उनकी प्रोन्नति और प्रोस्टिंग पर भी बुरा प्रभाव पड़ा। अभी 13 अप्रैल 1992 को रात को साढ़े 11 बजे दिल्ली मिल्क स्कीम के चेयरमैन के यहां सी०बी०आई० के द्वारा छापा मारा गया और बताया जाता यह है कि यह शिकायत मिली थी कि उनके यहां वास्तविक आय से अधिक मात्रा में चल और अचल सम्पत्ति है और संदेहात्मक कागजात हैं और वे रिश्वत भी लेते हैं। टी०वी० और अखबारों में यह प्रकाशित हुआ कि रंगे हाथों उस अधिकारी को बड़ी मात्रा में रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। लेकिन आज 30 तारीख हो गयी है और 17 दिन हो गये हैं। अभी तक कोई इस प्रकार की बात प्रकाश में नहीं आई कि क्या संदेहास्पद कागजात उनके यहां बरामद